

के चरने के लिए जमींदार की ओर से बिना लगान के दी गई भूमि 2. गोचारण भूमि 3. छोटी ज्वार के हरे पेड़ जो चारे के काम आते हैं, कड़वी।

चरु पुं. (तत्.) 1. हवन या यज्ञ की आहुति के लिए पकाया हुआ अन्न, हव्यान्न 2. वह बरतन जिसमें चरु पकाया जाए 3. पशुओं के चरने की जमीन 4. यज्ञ 5. बादल।

चरेली स्त्री. (देश.) ब्राह्मी बूटी।

चरैया पुं. (देश.) चराने वाला, चरने वाला।

चर्ख पुं. (फा.) 1. चक्र 2. कुम्हार का चाक 3. आकाश 4. खराद 5. खिंची हुई कमान 6. ढेल-वास, गोफन 7. चरखी 8. पहिया 9. रहट 10. एक तरह का बाज 11. चारों ओर घूमना 12. कुरते का गला।

चर्च पुं. (अं.) गिरजा, वह मंदिर जिसमें ईसाई प्रार्थना करते हैं पुं. (तत्.) विचार, ध्यान, चिंतन।

चर्चक पुं. (तत्.) चर्चा करने वाला।

चर्चन पुं. (तत्.) 1. चर्चा 2. लेपन।

चर्चरिका स्त्री. (तत्.) 1. चर्चरी 2. नाटक में परदा गिराने के बाद और दूसरा परदा उठाने के पहले गाया जाने वाला गाना 2. आमोद-प्रमोद की धूम 3. चापलूसी 4. घुँघराले बाल।

चर्चरी स्त्री. (तत्.) 1. बसंत में गाया जाने वाला गाना, फाग 2. होली की धूमधाम, होली का हुल्लड़ 3. करतल ध्वनि 4. ताल का एक भेद 5. एक वर्ण वृत्त 6. एक तरह का ढोल 7. गाना-बजाना, नाचना कूदना, आनंद की धूम।

चर्चरीक पुं. (तत्.) 1. महाकाल भैरव 2. साग, भाजी 3. केश विन्यास, बाल सँवारने की क्रिया।

चर्चा स्त्री. (तत्.) 1. जिक्र, वर्णन, बयान 2. वार्तालाप, बातचीत 3. किंवदंती, अफवाह 4. लेपना, पोतना 5. गायत्री रूपा महादेवी 6. दुर्गा।

चर्चि स्त्री. (तत्.) 1. आवृत्ति 2. विचारणा।

चर्चिका स्त्री. (तत्.) 1. चर्चा, जिक्र 2. दुर्गा।

चर्चित वि. (तत्.) 1. लेपित 2. विचारित 3. इच्छित।

चर्पट पुं. (तत्.) 1. चपत, थप्पड़ 2. फैली हुई हथेली 3. चेतावनी वि. विपुल, अधिक।

चर्पटी स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की रोटी या चपाती।

चर्पण पुं. (तद्.) दे. चर्वण।

चर्बित वि. (तद्.) दे. चर्वित।

चर्बी स्त्री. (फा.चर्बी) दे. चरबी।

चर्मट पुं. (तत्.) ककड़ी।

चर्मटी स्त्री. (तत्.) 1. चर्चरीगीत 2. चर्चा 3. आनंद, क्रीड़ा 4. गर्वोक्ति।

चर्म पुं. (तत्.) 1. चमड़ा 2. ढाल 3. स्पर्शद्रव्य।

चर्मकार पुं. (तत्.) चमड़े का काम करने वाला, चमार, मोची वि. मनु के अनुसार निषाद पुरुष और वैदेही स्त्री के गर्भ में इस जाति की उत्पत्ति हुई है। पराशर ने तीवर और चांडाली से चर्मकार की उत्पत्ति मानी है।

चर्म कार्य पुं. (तत्.) चर्मकार का काम, चमड़े के जूते, जीन आदि की सिलाई का काम।

चर्म कूप पुं. (तत्.) 1. शरीर छिद्र, रोम छिद्र 2. चमड़े का कुप्पा।

चर्म चक्षु पुं. (तत्.) साधारण चक्षु, स्थूल दृष्टि।

चर्म चित्रक पुं. (तत्.) 1. श्वेत कुष्ठ, सफेद कोढ़ 2. फूल।

चर्मणा पुं. (तत्.) एक प्रकार की मक्खी।

चर्मण्वती स्त्री. (तत्.) 1. चंबल नदी 2. केले का पेड़ वि. यह नदी विंध्याचल पर्वत से निकल कर इटावा के पास यमुना में मिलती है। इसका दूसरा नाम शिवनद भी है।

चर्म दंड पुं. (तत्.) चमड़े का बना हुआ कोड़ा या चाबुक।

चर्म दल पुं. (तत्.) एक प्रकार का कोढ़।

चर्म दूषिका स्त्री. (तत्.) दाद का रोग।